श्रावण शुक्ल पक्ष-11, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 56 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 अगस्त 2024
गुरुवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

लाल किले से पीएम मोदी ने कहा नागरिक कर्तव्यों पर व्यापक बहस भी जरूरी

देश को सेकुलर सिविल कोड की जरूरत

पीएम ने किया ध्वजारोहण

नई दिल्ली , एजेंसी।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लालकिले की प्राचीर से अपने संबोधन में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो बातों पर खास फोकस किया। उन्होंने सेकुलर सिविल कोड और वन नेशन वन इलेक्शन की जरूरत बताई और कहा कि वो कानून जो देश को धर्म के नाम पर बांटते हैं उन्हें दूर किया जाना चाहिए। क्योंकि देश में एक सेकुलर सिविल कोड की जरूरत है और गलत कानूनों का आधुनिक समाज में कोई जगह नहीं है। मोदी ने कहा कि मौजूदा नागरिक संहिता एक कम्युनल नागरिक संहिता है। अब हमें एक धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की आवश्यकता है। मोदी ने कहा, 'नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरा करना भारत के 140 करोड़ लोगों का कर्तव्य है और मैं इस पर बहस चाहता हूं। जो कानून सांप्रदायिक और भेदभावपूर्ण हैं उनका कोई स्थान नहीं है। इस दौरान पीएम ने प्राकृतिक आपदा से लेकर रिफॉर्म्स और गवर्नेंस मॉडल तक, कई विषयों पर बात रखी। उन्होंने आजादी से पहले जनसंख्या की चर्चा की, आजादी का जिक्र किया और 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प व्यक्त किया। मोदी ने कहा कि महिलाओं के साथ राक्षसी कृत्य करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जानी चाहिए।

दस वर्ष बाद नेता प्रतिपक्ष: लाल किले पर कार्यक्रम में आज दस वर्ष बाद नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी मौजूद रहे वे ओलंपिक खिलाड़ियों के साथ बैठे।

वन नेशन, वन इलेक्शन पर भी बोले पीएम

पीएम मोदी ने कहा कि देश में बार-बार चुनाव प्रगति में रुकावट बन जाते हैं, बाधक बन जाते हैं. हर काम को चुनाव के रंग से रंग दिया गया है. व्यापक चर्चा हुई है। राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं कि भारत की प्रगति के लिए, संसाधनों का सर्वाधिक उपयोग जनसामान्य के लिए हो, इसके लिए वन नेशन वन इलेक्शन के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग निराशा की गर्त में डूबे हुए हैं। ऐसे मुट्ठीभर लोग, की गोद में विकृति पलती है तो वो विनाश का कारण बन जाती है।

रोजगार के 17 हजार नए अवसर पैदा करेगी मप्र सरकार: यादव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

78वें स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह राजधानी के लालपरेड मैदान में हुआ। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ध्वजारोहण कर ओपन जीप में परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा- सरकार अगले पांच साल में प्रदेश का बजट दो गुना करने की दिशा में काम कर रही है। राज्य में 10 हजार करोड़ रुपए की लागत से 60 से अधिक नई इंडस्ट्रीज लगाई जा रही हैं। इनसे एक साल में 17 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इससे पहले मुख्य परेड का नेतृत्व सहायक पुलिस आयुक्त मयूर खंडेलवाल ने किया। परेड में पुलिस बैंड समेत 17 टुकड़ियां शामिल रहीं। मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अफसरों को सम्मानित किया।

गरीब, युवा, किसान, महिला मिशन : मुख्यमंत्री ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रेरणा लेकर 4 मिशन- युवा शक्ति मिशन, गरीब कल्याण मिशन, किसान कल्याण मिशन और नारा सशक्तिकरण मिशन प्रदेश के स्थापना दिवस 1 नवंबर से शुरू किए जाएंगे। युवा शक्ति मिशन के तहत शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार उद्यमिता, नेतृत्व विकास, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास की कार्ययोजना पर मिशन मोड में काम किया जाएगा। गरीब कल्याण मिशन में स्व रोजगार योजनाएं सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं बढ़ाने का काम होगा।

मुख्यमंत्री की खास बातें

वर्ष 2024-25 में 5 हजार 100 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण और नवीनीकरण।, **श्रमिकों** को ई-स्कूटर खरीदने के लिए 40 हजार रुपए की आर्थिक मदद।, 10 हजार करोड़ रुपए की लागत से 60 नई उद्योग इकाइयां शुरू होंगी। इसमें 17 हजार युवाओं को रोजगार के अवसर। **खजुराहो** में देश के पहले पारंपरिक कला वाले गुरुकुल की स्थापना।

भारत में ऐसी कैसी देश की आजादी?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

1988 की बात है। भारतीय पुलिस के पितामह कहे जाने वाले आला दर्जे के पुलिस अफसर ने मुझसे एक साक्षात्कार के दौरान मेरे सवाल पर यही सवाल किया था। उन्होंने कहा था कि भारत में आजादी महज एक जुमला है। 15अगस्त 1947 को भारत आजाद नहीं हुआ। इस देश का निर्माण हुआ और इस नए देश में गोरे अंगरेजों की जगह काले अंग्रेजों ने ले ली। व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ। देश के हुक्मरान व्यवस्था को अंगरेजों की तरह चलाते रहे। बड़ों के लिए अलग कानून था कमजोरों के लिए अलग। लिहाजा मजबूत और रौबदार लोग कानबन की मकड़ी के जाल को बाहर तोडकर आते रहे। कमजोर उस मकडाल के फंदे में फंसते रहे।

रूस्तमजी ने जो कहा वह जौर आज भी जारी है। हम आजादी जश्न को एक त्यौहार की तरह हर साल मनाते है। भाजपा देश की आजादी को भगवा रंग में रंगती रही? कांग्रेस देश की आजादी पर धर्मनिरपेक्षता मुलम्मा चढ़ती रही। वामपंथियों का समूह आज भी आजादी के नाम पर देश के टुकड़े करने पर आमादा है। कांग्रेस को पता ही नहीं है कि वह क्या बनकर रह गई है। कांग्रेस 15अगस्त को देश के बनने के बाद ऐसी महानदी थी जिसमें दक्षिणपंथी, वामपंथी और मध्यमार्गी सोच के लोग हुआ करते थे जो देश के सर्वहारा वर्ग के असली नुमाइंदे थे। लेकिन धीरे-धीरे वामपंथियों ने कांग्रेस पर कब्जा कर लिया और दक्षिणपंथी और मध्यमार्गी सोच के लोगों को ऐसे किनारे लगाया कि उन्होंने नए ठौर ठिकाने लगाने को मजबूर कर दिया। नतीजा यही हुआ कि कांग्रेस को लोगों ने किने लगा दिया। एक तरफ वामपंथी कांग्रेस के कंधों पर सवार हो गए को दूसरी तरफ नौकरशाहों के प्रभावशाली वर्ग ने विधायिका के अधिकार चतुराई पूर्वक हथिया लिया। पहले कांग्रेसियों और बाद में भाजपाईयों और दूसरे सत्ताधारी दलों को उन्होंने इसी तरह समझा दिया कि कानून बनाने का सांसद विधायकों का मूल काम तो वह लेंगे, राजनेताओं को तो जनता के बीच घूमना चाहिए। लिहाजा देश निर्माण के बाद नेता जनता के बीच वोट पाने की योजनाओं का झुनझुना पकड़े घूम रहे हैं और अफसर वातानूकूलित कक्षों में बैठ देश की आजादी का असला मजा उठा रहे हैं।

(शेष पेज 2 पर देखें)

अवकाश सूचना: स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कल 16 अगस्त को दोपहर मेट्रो कार्यालय में अवकाश रहेगा।

आजादी के जश्न का नजारा....

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राजधानी मे शासकीय भवनों पर आकर्षक साजसज्जा की गई । रातभर यह भवन जगमगाते रहे।

प्रसंगवश

पेज एक से जारी

भारत में ऐसी कैसी देश की आजादी?

आजादी के नाम पर यह देश आंदोलनकारी देश बनकर रह गया है। भाजपा का राज न तो कांग्रेस को रास आ रहा है और न उनके वैचारिक मसीहा बने वामपंथियों को उनकी रीतिनीति जंच रही है। एक तरफ देश की आर्थिकी को मजबूती देने के लिहाज से केंद्र की सरकार कड़े फैसले करके देश के लोगों खासतौर से मध्यम वर्गीय परिवारों के गले उतर रहे हैं तो दूसरी तरफ मोदी के सबका साथ ,सबका विकास और सबका विश्वास के नारे के साथ मिलती लोककल्याण नीति के तहत मिलती सुविधा पाने के बावजूद देश का तथाकथित बहुसंख्यक समाज उसका साथ देने को तैयार है। खतरे देश से ही नहीं हमारे पड़ोसी मुल्कों से भी हैं,जिन्हें चीन और पाकिस्तान खड़े कर दिए हैं। पाकिस्तान से लेकर म्यांमार,नेपाल, श्रीलंका सभी हमारे खिलाफ खड़े थे बच खुचे बांगलादेश की आजादी पर भी चीन ने डाका डलवा दिया है। देश को अपनी आंतरिक चुनौतियों के साथ बाहरी ताकतों से भी जूझना है। इस लिहाज से देश की आजादी का 78वां साल से अहम रहने वाला है।

राजधानी में उत्सव की तरह मन रहा स्वतंत्रता दिवस

भोपाल। स्वतंत्रता दिवस आज राजधानी समेत पूरे प्रदेश में उत्साह से मनाया जा रहा है। जगह जगह झंडावंदन समारोह आयोजित हो रहे है। पूरे शहर में उत्सवी माहौली है। स्कूल, कॉलेज से लेकर शासकीय व निजी कार्यालयों में झंडा वंदन का कार्यक्रम आयोजित हुए।लोग अपने घरो में अपने वाहनों में तिरंगा लगाकर स्वतंत्रता दिवस को उत्सव की तरह मना रहे है। राजधानी के खेल मैदानों पर भी तिरंगा झंडा लहरा रहा है। टीटी नगर स्टेडियम में संचालक खेल एंव युवा कल्याण विभाग डॉ. रवि कुमार गुप्ता ध्वजारोहण किया। इस मौके पर संयुक्त संचालक बीएस यादव, जिला खेल अधिकारी वाणी साहू, आदि मौजूद थे। कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने किया ध्वजारोहण, इस दौरान सभी एडीएम, एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस कमिश्नरेट में भी पुलिस आयुक्त ने झंडावंदन किया। संत हिरदा राम नगर स्थित नवयुवक सभा विद्यालय में छात्रों स्वतंत्रता का पर्व मनाया गया। छात्राओं ने मार्च पास्ट किया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने स्वतंत्रता दिवस पर पार्टी प्रदेश कार्यालय में ध्वजारोहण किया व एक दूसरे को लड्डू खिलाए।

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अन्य नेताओं के साथ आज सुबह पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में ध्वजारोहण किया।

भोपाल में कलेक्टर कौशलेन्द्र सिंह, नगर निगम महापौर मालती राय व पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा ने कार्यालय परिसर में ध्वाजारोहण किया ।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग

देश को एक विकसित भारत के रूप में स्थापित करेंगे : ममतानी

आयोग अध्यक्ष ने पर्यावास भवन परिसर में किया ध्वजारोहण

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने गुरुवार की सुबह 8 बजे पर्यावास भवन परिसर में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर आयोग के पुलिस महानिरीक्षक अशोक गोयल, रजिस्ट्रार लॉ एन.के. गोधा, पुलिस अधीक्षक एम.एल. चौरसिया सहित पर्यावास भवन परिसर में लगने वाले सभी कार्यालयों के अधिकारीगण, कर्मचारीगण उपस्थित थे। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान हुआ। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ममतानी ने शुभकामना संदेश देते हुए उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी और कहा कि बड़ी मुश्किलों से हमने आजादी पाई है, इसे बरकरार रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। यह स्वतंत्रता दिवस एक थीम के साथ मनाया जा रहा है और उसका नाम है विकसित भारत। अध्यक्ष ने यह भी कहा है कि हमने आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर 15 अगस्त, 2022 में इसे अमृत महोत्सव के रूप में मनाना शुरू किया और अगले 25 वर्ष अमृत काल पूर्ण होने तक देश को एक विकसित भारत के रूप में स्थापित करेंगे। विकसित भारत के इस योजना में चार महत्वपूर्ण व्यक्तियों पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। इसमें से एक है किसान, एक है महिला, एक है युवा और एक है गरीब। इस अवसर पर सभी अधिकारीगण, कर्मचारीगण व अन्यजन भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने शैक्षिक डिजिटल बस का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री यादव ने स्वाधीनता दिवस कार्यक्रम के दौरान लाल परेड ग्राउंड से शैक्षिक डिजिटल बस को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। राज्य शिक्षा केंद्र की सहयोगी संस्था एस आर एफ फाउंडेशन के द्वारा संचालित इस डिजिटल बस में 20 कम्प्यूटर्स के साथ इंटरनेट की सुविधा भी है। जिनके माध्यम से विद्यालयीन छात्रों को स्मार्ट शिक्षा कार्यक्रम के तहत विषय आधारित जानकारी प्राप्त हो सकेगी। यह डिजिटल बस राजधानी भोपाल के चयनित विद्यालयों में निरंतर भ्रमण करेगी।

मुख्यमंत्री ने दी स्वीकृति

रक्षाबंधन व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर बैंक कर्मियों को मिलेगी छुट्टी

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य के बैंकिंग क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 19 अगस्त (रक्षाबंधन) और 26 अगस्त (श्रीकृष्ण जन्माष्टमी) को अवकाश की स्वीकृति प्रदान की है। यह अवकाश नेगोशीयेबल इंस्ट्रूमेंट ऐक्ट 1881 के तहत मंजूर किया गया है, जिससे बैंक कर्मियों को अपने परिवार के साथ इन महत्वपूर्ण त्योहारों को मनाने का अवसर मिलेगा। बैंक कर्मचारी संगठनों ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया था कि राज्य के अन्य कर्मचारियों की तरह बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों को भी रक्षाबंधन और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर अवकाश मिलना चाहिए। बताया जाता है कि इस संबंध में संबंधित विभाग जल्द ही आदेश जारी करेगा।

मेट्रो एंकर

शासन ने कैदियों को रोजगारउन्मुख बनाने के लिए फर्नीचर कार्य से जोड़ने को कहा-

कैदियों के हाथों को काम देने में भी पिछड़े शिक्षा विभाग के जिम्मेदार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हमेशा सुर्खियों में रहने वाले स्कूल शिक्षा विभाग के कई जिम्मेदार अफसरो ने कैदियों के हाथों में काम नहीं दिया। अब विभाग इन अफसर से जानकारी तलब कर रहा है लेकिन यह जानकारी देने के लिए तैयार नहीं है।

असल में मामला प्रदेश की विभिन्न जेलों में बंद सजा याफ्ता कैदियों को स्वरोजगार से जोड़ने का है जिसके तहत शासन ने मंशा अनुरूप कहा था कि प्रदेश के जितने भी स्कूलों में फर्नीचर निर्माण और फर्नीचर मरम्मत के काम है वह कैदियों से कराया जाए। लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग के अफसरो ने इस पर ध्यान नहीं दिया और इस तरह जेल में बंद कैदियों को कम नहीं मिला। अब अफसरों की धड़कन तेज हो गई है और जिलों से जानकारी तलब की है। असल में लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक डीएस कुशवाहा ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को एक पत्र लिखा है इस पत्र में कहा है कि स्कूलों में फर्नीचर से जुड़े कामों का विवरण भेजा जाए। कुशवाहा नेहा पत्र 9 अगस्त को लिखा था लेकिन अब तक अफसर ने जानकारी नहीं भेजी है। क्योंकि यह मामला शासन स्तर पर टीएल में है इसलिए अवसर अब परेशान हो रहे हैं।

कैदियों को काम देने के फरमान मई में दिए थे

शासन ने जेल में बंद कैदियों को काम देने के फरमान 6 मई 2024 को जारी किए थे और इसमें पूरा विवरण दिया था कि कौन-कौन से कम कैदियों से कराए जा सकते हैं, ताकि वह सजा काटने के साथ-साथ कमाई करने योग्य भी बन सके। ताकि जब जेल से रिहा हो तो वह जीविका उपार्जन से जुड़ सके।

27 को होगी यूजीसी नेट की परीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विवि अनुदान आयोग (यूजीसी) की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) के जून 2024 सत्र की पुनर्परीक्षा के पूर्व घोषित शेड्यूल में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने संशोधन किया है। अब 26 अगस्त की प्रस्तावित परीक्षाएं 27 अगस्त को होंगी। जन्माष्टमी 26 अगस्त को रहेगी, इस वजह से शेड्यूल बदला गया है। 26 अगस्त को पहली पाली में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक हिंदी और दर्शनशास्त्र विषयों की परीक्षा होनी थी। इसके बाद दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक में हिंदी, उड़िया, नेपाली, मणिपुरी आदि भाषाओं की परीक्षाएं होनी थीं।

उच्च शिक्षा : यूजी-पीजी में मात्र करीब 4.39 लाख प्रवेश

इस साल 5.99 लाख सीटें खाली रह गई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा यूजी-पीजी कोर्सेस में प्रवेश के लिए चलाई जा रही काउन्सलिंग प्रक्रिया अब समाप्त हो चुकी है। प्रदेश के 1,336 सरकारी और प्राइवेट कॉलेजों में यूजी-पीजी की करीब 10.59 लाख सीट हैं। दो मुख्य और तीन सीएलसी राउंड के बाद यूजी-पीजी में मात्र करीब 4.39 लाख प्रवेश हुए हैं। इस साल 5.99 लाख सीटें खाली रह गई। इसमें प्राइवेट कॉलेजों की स्थिति सबसे खराब है। इन कॉलेजों में 65 फीसदी सीटें खाली हैं। विभाग को उम्मीद थी कि यूजी में चौथे साल में रजिस्ट्रेशन और एमपी बोर्ड की 12वीं के सप्लीमेंट्री एग्जाम में पास स्टूडेंट्स के प्रवेश लेने के बाद एडमिशन की संख्या बढ़ेगी। लेकिन इस राउंड में भी बहुत अधिक एडमिशन नहीं हो सके हैं।

दो मुख्य और तीन सीएलसी राउंड चलाए

उच्च शिक्षा विभाग ने एडमिशन के लिए दो मुख्य और तीन सीएलसी राउंड चलाए थे। इन सभी राउंड में यूजी में करीब 3 लाख 43 हजार 408 और पीजी में 96544 प्रवेश हुए हैं। यह एडमिशन में अब तक का सबसे कम आंकड़ा है। पिछले वर्ष यूजी-पीजी की 9.90 लाख सीटों पर 5.93 लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था।

मध्यप्रदेश शासन

देश की आज़ादी के लिए प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को कृतज्ञतापूर्ण नमन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

78 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

चौतरफा विकास का परचम लहराता मध्यप्रदेश

युवाओं के लिये गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं व्यावसायिक क्षमता निर्माण के लिए सभी 55 जिलों में पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस प्रारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में पहली बार रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हो रहे आयोजित

संबल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आहार अनुदान योजना एवं राशन आपके ग्राम जैसी योजनाओं के माध्यम से गरीब और जरूरतमंदों को सहायता

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में 1.29 करोड़ महिलाओं को रक्षाबंधन पर प्रतिमाह ₹1250 के अतिरिक्त ₹250 का विशेष उपहार, अब तक ₹ 22 हजार 924 करोड़ की सहायता, लाड़ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से बेटियों की शिक्षा और स्वास्थ्य का ख्याल

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 83 लाख से अधिक किसानों को ₹14254 करोड़ की सहायता

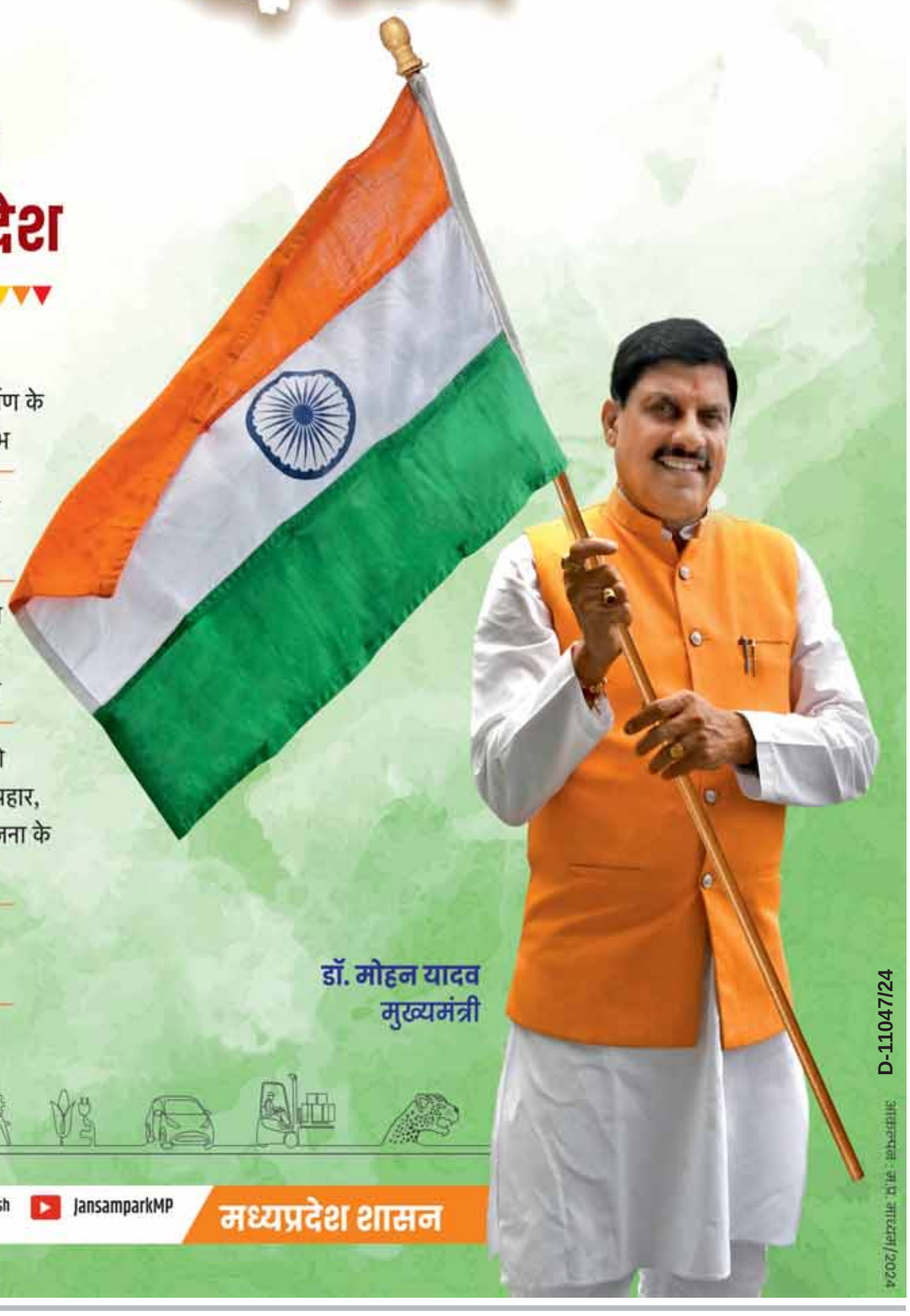

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़ने के लिए स्कैन करें

@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11047/24

स्वतंत्रता दिवस पर जयकार के साथ जरुरत जिम्मेदारियों के संकल्प की

■ आलोक मेहता

स्वतंत्रता दिवस पर एक बार फिर लाल किले के साथ सम्पूर्ण राष्ट्र में 'जय हिन्द' और 'आजादी अमर रहे ' के नारे गूंजें। स्वतंत्रता की सबसे बड़ी उपलब्धि है - ' अभिव्यक्ति की आजादी', लेकिन 78 वर्ष में स्वतंत्रता का जश्न मानते समय भारत ही नहीं , दुनिया के कई लोतांत्रिक देशों में भी सवाल उठ रहा है कि अभिव्यक्ति और सूचना-समाचार तंत्र और नए सोशल मीडिया की स्वतंत्रता की कोई सीमा रहेगी या नहीं? भारत में सात दशकों के बाद भी अराजक तत्वों द्वारा ' हमें चाहिए आजादी , लेकर रहेंगे आजादी' का क्या औचित्य और छूट क्यों है ? देश में कहीं कोई विदेशी या राजा का शासन नहीं है। वहीं खुले आम अराजकता का आव्हान या किसी भी माध्यम से सत्तारुढ़ अथवा विपक्ष के नेता, अधिकारी, सेना, व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षाविद, संस्कृतिकर्मी इत्यादि के चरित्र हनन के अधिकार की छूट कैसे दी जा सकती है ? जब सरकारें कोई कानून बनाने की पहल करती है, तो प्रारुप से ही विरोध प्रारम्भ हो जाता है। नेहरू से लेकर नरेंद्र मोदी तक की सरकारें जब मीडिया की बात करती हैं , तो अभिव्यक्ति के सिद्धांत को लेकर सार्वजनिक विवाद खड़े हो जाते हैं । अब तो न्याय के देवता न्यायाधीश मासूम बच्चों के अश्लील पोर्न सामग्री को देखने की स्वतंत्रता के फैसले दे रहे या भारत विरोधी आतंकवादी गतिविधि , हत्या, भ्रष्टाचार के आरोपी को भी जमानत की अनिवार्यता समझाने लगे हैं । संसद में विरोध के नाम पर प्रतिपक्ष के नेता प्रधान मंत्री के भाषण के दौरान लगातार शोर हंगामा करने के अलावा हफ्तों तक संसद की कार्यवाही रोकने के प्रयास कर रहे हैं । संसद में लोक सभा के अध्यक्ष अथवा राज्य सभा के सभापति द्वारा संसदीय नियमों के उल्लंघन और अनर्गल बातों को सदन की कार्यवाही से निकालने के आदेश देते हैं , लेकिन टी वी से सीधे प्रसारण के कारण वही बातें न्यूज चैनलों अथवा विशाल सोशल मीडिया से देश दुनिया में लगातार दिखाई सुनाई जा रही है। यह मुद्दा गंभीर है कि प्रिंट , टी वी चैनल, सीरियल, फिल्म,सोशल मीडिया, को कितनी आजादी और कितना नियंत्रण हो? सरकार, प्रतिपक्ष और समाज कभी खुश, कभी नाराज । नियम-कानून, आचार संहिताएं, पुलिस, अदालत के सारे निर्देशों के बावजूद समस्याएं कम होने के बजाय बढ़ रही हैं । सूचना संसार कभी सुहाना , कभी भूकंप की तरह डगमगाता , कभी ज्वालामुखी की तरह फटता दिखाई देता है । आधुनिकतम टेक्नोलॉजी ने नियंत्रण कठिन कर दिया है। सत्ता व्यवस्था ही नहीं अपराधी - माफिया, आतंकवादी समूह से भी दबाव , विदेशी ताकतों का प्रलोभन और प्रभाव सम्पूर्ण देश के लिए खतरनाक बन रहा है । इन परिस्थितियों में विश्वसनीयता तथा भविष्य की चिंता स्वाभाविक है । यह भी सही है कि कश्मीर के आतंकवादी समूह और छत्तीसगढ़, झारखण्ड, उड़ीसा के आदिवासी क्षेत्रों में हिंसा, अत्याचार और आतंक फैलाने वाले नक्सली संगठनों या उनके सरगनाओं को मानव अधिकार के नाम पर प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सहायता करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होनी ही चाहिये , फिर भले ही पत्रकारिता या चिकित्सा अथवा जेबी स्वयंसेवी संस्था का चोगा पहने हुए हों । ब्रिटेन में केबल टी वी एक्ट का प्राधिकरण है । भारत में जब तक ऐसी नियामक संस्था नहीं हो तब तक भारतीय प्रेस परिषद् द्वारा निर्धारित नियमों , आचार संहिता का पालन टीवी- डिजिटल मीडिया में भी किया जाए । फिलहाल प्रिंट मीडिया का प्रभावशालिओ वर्ग ही प्रेस परिषद् के नियम - संहिता की परवाह नहीं कर रहा है , क्योकि उसके पास दंड देने का कोई अधिकार नहीं है । जबकि प्रेस परिषद् के अध्यक्ष सेवा निवृत्त वरिष्ठ न्यायाधीश ही होते हैं । अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार संविधान में हर नागरिक के लिए है । पत्रकार उसी अधिकार का उपयोग करते हैं । समाज में हर नागरिक के लिए मनुष्यता , नैतिकता , सच्चाई और ईमानदारी के साथ कर्तव्य के सामान्य सिद्धांत लागु होते हैं । पत्रकारों पर भी वह लागू होने चाहिए । सरकार से नियंत्रित व्यवस्था नहीं हों , लेकिन संसद, न्याय पालिका और पत्रकार बिरादरी द्वारा बनाई गई पंचायत यानी मीडिया परिषद जैसी संस्था के मार्गदर्शी नियम लक्ष्मण रेखा का पालन तो हो ।

न्याय पालिका के सामने एक गंभीर मुद्दा भी उठाया जाता रहा है कि मानहानि कानून का दुरूपयोग भी हो रहा है , जिससे ईमानदार मीडियाकर्मी को नेता, अधिकारी या अपराधी तंग करते हैं । अदालतों में मामले वर्षों तक लंबित रहते हैं । इसलिए जरुरत इस बात की है कि समय रहते सरकार, संसद, न्याय पालिका, मीडिया नए सिरे से मीडिया के नए नियम कानून, आचार संहिता को तैयार करे । नया मीडिया आयोग, मीडिया परिषद् बने । पुराने गोपनीयता अथवा मानहानि के कानूनों की समीक्षा हो। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ वर्ष पहले राजद्रोह का कठोरतम कानून सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों पर लागू करने के राज्य सरकारों के प्रयासों को नितांत अनुचित ठहरा दिया था । न्याय के मंदिर से यही अपेक्षा थी । सर्वोच्च अदालत ने यह अवश्य स्पष्ट कर दिया कि हिंसा के जरिये अराजकता पैदा करने वाली उत्तेजक देशद्रोह जैसी प्रचार सामग्री पर इस कानून का प्रयोग संभव है । इस निर्णय से देश भर के पत्रकारों को बड़ी राहत महसूस हुई । लेकिन राज्य सरकारों , उनकी पुलिस को भी अपनी सीमाओं को समझकर मनमानी की प्रवृत्ति को बदलना होगा ।यह फैसला देश के एक नामी पत्रकार के एक टी वी कार्यक्रम में की गई टिपण्णी पर हिमाचल प्रदेश में राजद्रोह का मुकदमा दर्ज होने के विरुद्ध दायर याचिका पर आया है । लेकिन कुछ अन्य राज्यों में भी ऐसे मुकदमे दर्ज हुए हैं । संभवतः कुछ गंभीर हिंसा के प्रमाणित मामलों को छोड़कर अन्य प्रकरणों में निचली अदालतों से ही पत्रकार दोषमुक्त घोषित हो जायेंगें । यह विवाद एक बार फिर इस तथ्य को रेखांकित करता है कि सरकारी गोपनीयता के नाम पर ब्रिटिश राज के काले कानूनों में आवश्यक संशोधन संसद द्वारा सर्वानुमति से शीघ्र होने चाहिये ।

महात्मा गाँधी ने 1946 में अपने अखबार हरिजन में लिखा था कि पश्चिम की तरह पूर्व में भी अखबार लोगों की बाइबल , कुरान और भगवदगीता बनाते जा रहे हैं । अखबार में जो चपटा है, उसे लोग ईश्वरीय सत्य मां लेते हैं । लोग किसी छपी बात को देवी सत्य मान लेते हैं । इस कारण सम्पादकों और अन्य पत्रकारों का दायित्व बढ़ जाता है । गांधीजी ने उस समय पाठकों को भी चेताया था कि मैं स्वयं कभी अखबारों की रिपोर्टिंग पर बहुत अधिक भरोसा नहीं करता और अखबारों के पाठकों को चेतावनी देना चाहता हूँ कि वे उनमें छपी बातों से आसानी से प्रभावित न हों। इस दृष्टि से प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की विश्वसनीयता तथा सम्पादकों की भूमिका को लेकर आज भी बहस जारी है । इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने समाचार माध्यमों का नक्शा ही बदल दिया है । अपनी पत्रकारिता के प्राम्भिक वर्ष 1910 में मैंने अपने पहले संपादक राजेंद्र माथुर से पूछा था - 'पत्रकारिता के नियम कानून क्या होते हैं और कहां मिल सकते हैं? ' माथुरजी ने मुस्कुराते हुए समझाया था - पत्रकारिता के नियम कानून किसी किताब में नहीं मिलेंगे । वह तो खुद बनाने होंगे । लक्ष्मण रेखा घर के लोग ही खींच सकते हैं । बाहर वाला या तो रेखा गलत खींच देगा या फिर अपहरण करके ले जाएगा । यह सलाह सूत्र आज तक मेरे जैसे पत्रकारों के लिए काम आ रहा है । यों बाद के दशकों में प्रेस परिषद् , एडिटर्स गिल्ड ने पत्रकारों की आचार संहिता बनाई है, लेकिन उनका पालन कोई थोप नहीं सकता । संपादक या सहयोगी पत्रकार स्वयं अपनी सीमाएं बनाते या नहीं स्वीकारते हैं । लोकसभा राज्य सभा तथा राज्य विधानमंडलों के प्रत्येक सदन के पीठासीन अधिकारियों को नियमों के अन्तर्गत यह अधिकार है कि असंसदीय टिप्पणियों, शब्दों, भाषण उसके हिस्से को सदन की कार्यवाही से निकाले जाने का आदेश दे सकते हैं। कार्यवाही से निकाले गए अंश पर तारा का निशान टंकित करके कार्यवाही में 'आसन के आदेश से निकली' टिप्पणी जोड़ दी जाती है। जिन राज्य विधान मण्डलों के सदन की नियमावली में इसका स्पष्ट प्रावधान नहीं है वहां यह सदन का अन्तर्निहित अधिकार माना जाता है जिसके अन्तर्गत पीठासीन अधिकारी कार्यवाही के असंसदीय हिस्से को कार्यवाही से निकाले जाने का आदेश दे सकता है। ब्रिटेन में संसद के किसी सदन को कार्यवाही से निकालने का अधिकार स्पष्ट तौर पर नहीं उपलब्ध है किन्तु यह सदन का विशेषाधिकार माना जाता है कि उसका पीठासीन अधिकारी कार्यवाही के उस हिस्से को सदन की कार्यवाही से निकाले जाने का आदेश दे सकता है जो उसकी राय में सदन की गरिमा के अनुरूप नहीं हो। सदन की कार्यवाही से निकाले गए अंश को सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं माना जाता। इसलिए उसे किसी संचार माध्यम द्वारा प्रकाशित नहीं करने का नियम था । इस सम्बन्ध में बिहार विधान सभा में 1951 में 'सर्चलाइट ' अखबार का एक महत्त्वपूर्ण मामला था। विशेषाधिकार समिति ने 10 अगस्त 1958 को प्रस्ताव पारित करके 'सर्चलाइट' अखबार के सम्पादक एम.एस.एम. शर्मा तथा मुद्रक एंव प्रकाशक को कारण बताओ नोटिस जारी किया कि क्यों न उनके विरुद्ध सदन के विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही की जाए। इस नोटिस के खिलाफ 'सर्चलाइट' की ओर से संविधान के अनुच्छेद 32 के अन्तर्गत सुप्रीम कोर्ट के समक्ष रिट याचिका दायर करके मांग की गई कि अखबार के खिलाफ 31 मई 1951 को प्रकाशित समाचार के सम्बन्ध में कोई कार्यवाही न करने का सदन को निर्देश दिया जाए।

'सर्चलाइट' मामले में सुप्रीम कोर्ट के सामने दो महत्तवपूर्ण प्रश्न थे। पहला यह कि क्या विधानसभा को यह अधिकार है कि वह सदन की कार्यवाही से निकाले गए अंश को अखबार में प्रकाशित करने पर रोक लगा सकता है। दूसरा यह था कि यदि विधानसभा को कार्यवाही से निकाले गए अंश को प्रकाशित करने से रोकने का अधिकार हो तब भी एक नागरिक को वाणी तथा अभिव्यक्ति का अधिकार है तथा संसदीय विशेषाधिकार एंव अभिव्यक्ति के मूल अधिकार में अन्तर्विरोध होने पर उनमें से किसको तरजीह दी जानी चाहिए। विधानसभा की कार्यवाही से निकाले गए अंश को प्रकाशित करने से रोकने के विशेषाधिकार के सम्बन्ध में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विधानसभा को अपनी कार्यवाही के किसी किसी हिस्से को कार्र्यवाही से निकालने और उसे प्रकाशित करने से रोकने का विशेषाधिकार है तथा उसके उल्लंघन करने वालों को दण्डित करने का अधिकार है। सदन के विशेषाधिकार तथा अनुच्छेद 19(1)क के अन्तर्विरोध के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसी दशा में अभिव्यक्ति के अधिकार की तुलना में संसदीय विशेषाधिकारों को तरजीह दी जाएगी तथा नागरिकों को अभिव्यक्ति का अधिकार उस सीमा तक अप्राप्य होगा जिस सीमा तक उसका सदन के विशेषाधिकार के साथ अन्तर्विरोध हो।सदन की कार्यवाही से निकाला जाने वाला अंश सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं माना जाता। अतः उन अंशों के सम्बन्ध में अनुच्छेद 361(क) के द्वारा कार्यवाही की रिपोर्ट के प्रकाशन के सम्बन्ध संचार माध्यमों को दी गई उन्मुक्ति उन्हें उपलब्ध नहीं होती। लेकिन अब किसी विधान सभा या संसद में इस तरह की कार्यवाही नहीं हो पा रही है और न ही अदालतें कोई निर्णय दे रही । इसलिए आजादी की जयकार के साथ हर क्षेत्र के लोगों को अपनी जिम्मेदारियों के संकल्प पर भी विचार करना अच्छा होगा ।

स्वतंत्रता दिवस पर सबके लिए शुभकामनाएं

आज का इतिहास

- 1461 ट्रेज़ोंड का साम्राज्य, सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले बीजान्टिनसुइटोर राज्य में, ओटोमन सुल्तान मेहम द्वितीय द्वारा अमौत-लंबी घेराबंदी के बाद विजय प्राप्त की गई थी।
- 1519 पनामा शहर बनाया गया।
- 1534 पेरिस के पास मोंटमार्टे में, लोयोला के इग्नाटियस और छह ने अन्य प्रतिज्ञा की जिसके कारण सोसाइटी ऑफ जीसस की स्थापना हुई।
- 1722 विलियम बट्टिन, 17 को पेनसिल्वेनिया की कॉलोनी में आगजनी और हत्या के लिए फांसी पर लटकाया गया।
- 1760 लेविग्नज की लड़ाई प्रशिया ने ऑस्ट्रिया और रूस को हराया।
- 1769 15 अगस्त 1769 को नेपोलियन बोनापार्ट का जन्म अजैसियों में हुआ था। वह एक फ्राँसीसी सैन्य अधिकारी और राजनीतिक नेता थे।
- 1812 के युद्ध-पोटावाटोमी योद्धाओं ने शिकागो, इलिनोइस में संयुक्त राज्य की सेना के किले डियरबॉर्न को नष्ट कर दिया और बचे लोगों पर कब्जा कर लिया।

कहानी में अल्प विराम तक ही अच्छा लगता है उसमें पूर्ण विराम लग जाये तो फिर सफ़र में मज़ा कहाँ आएगा सफ़र में होना अपने आप में बड़ी बात है

निशाना

अत्याचार जारी है !

- कृष्णेन्द्र राय

जो हैं असुरक्षित ।
हो उनका उपाय ।।
संकट की इस घड़ी में ।
कब बनना सहाय ?
अत्याचार जारी है ।
मन हो रहा खिन्न ।।
बर्बरता का अनवरत ।
दौड़ रहा है जिन्न ।।
संकट में अधिकार ।
घड़ी ऐसी आई ।।
बिछड़ रहे अपनों से ।
हो रही जुदाई ।।
दर्दनाक तस्वीरें ।
पल पल है प्रहार ।।
है नई सरकार पर ।
बस केवल धिक्कार ।।

नेहरू की नजर में हमारा झंडा: संविधान सभा का भाषण

हमारे देश का झंडा कैसा हो, उस झंडे के पीछे कौनसा विचार है, उसका इतिहास क्या है, इस पर संविधान सभा में लंबी बहस हुई थी। बहस की शुरूआत पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी। नेहरू ने इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किया था। अपने भाषण की शुरूआत करते हुए उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस संबंध में प्रस्ताव पेश करने को कहा गया है। प्रस्ताव इस प्रकार था-कि हमारे देश के झंडे का स्वरूप क्या होगा? इसमें कौनसे रंग डाले जायेंगे। यह हमें तय करना है। इस संबंध में उन्होंने विस्तृत प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव पर चर्चा प्रारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव बहुत ही सादा है। इसमें न तो कोई चमक है और ना ही कोई अन्य गर्माहट है। परंतु मुझे पूरा विश्वास है कि इस संदर्भ में लोगों की क्या भावना होगी। परंतु मैं जानता हूं कि इस झंडे का एक इतिहास है। कभी-कभी यह लगता है कि इसके पीछे सदियों का इतिहास है। इस झंडे के पीछे इतिहास की अनेक करवटें हैं, विशेषकर पिछले 25 साल की। अनेक स्मृतियाँ मुझे झकझोर रही हैं। मैं और इस सदन में अनेक लोग यह महसूस करेंगे कि हमने इस झंडे को किस गर्व से और किस उत्साह से देखा। उसकी आवाज़ें आज भी हमारे कानों में सुनाई पड़ रही हैं। यह झंडा हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस सदन में ऐसे अनेक लोग हैं जो झंडे को अंत तक सम्हाले रहे। इस झंडे को सम्हालने वाले ऐसे अनेक लोग हैं जो हमारे बीच में अब नहीं रहे। जो इसे अंत तक सम्हाले रहे हैं और जो इसे सम्हाले हुए मौत से भी नहीं डरे। सच पूछा जाए तो इस झंडे का संघर्ष का इतिहास है। जिस संघर्ष के माध्यम से हम आज़ादी की कामना करते रहे और आज भी कर रहे हैं। इस झंडे को जब हम हाथ में लेते हैं तो हमें एक प्रकार की विजय महसूस होती है। इस तरह मैं यह प्रस्ताव पेश कर रहा हूँ। मैं इस प्रस्ताव से इस झंडे की परिभाषा रख रहा हूँ और वह परिभाषा क्या होनी चाहिए यह भी बता रहा हूँ। यह झंडा हमें बड़े से बड़ा बलिदान करने की प्रेरणा देता है। वैसे हम सब ने इस झंडे को तरह-तरह के दृष्टिकोण से देखा है। परंतु मैं यह कहने की स्थिति में हूँ कि जब हमने इस झंडे का स्वरूप तय किया था तब वह हमें बहुत ही सुंदर लगा था। वैसे तो हर झंडा सुंदर होना चाहिए परंतु जब वह किसी देश की चेतना का प्रतीक होता है तो उसका सुंदर होना लाज़मी है।

इस झंडे के आसपास अनेक महत्वपूर्ण घटनाएँ हुई हैं जिन्हें हम सदा याद करेंगे। इन घटनाओं के याद आते ही हम दुखी हो जाते हैं। यह झंडा हमें अंतिम मंजिल पाने की प्रेरणा देता है। शायद हम अपनी अंतिम मंजिल उस रूप में पैदा न कर पाएं जिसकी हमनें परिकल्पना की थी परंतु हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हम बहुत कम उन सपनों को साकार कर पाते हैं जो हमने देखे हैं। इस संदर्भ में हमें बहुत उदाहरण याद रहते हैं। कुछ सालों पहले एक बड़ा युद्ध लड़ा गया था। उस युद्ध ने मानवता पर अनेक संकट लादे थे। कुछ राष्ट्र उस युद्ध के माध्यम से आज़ादी और लोकतंत्र हासिल करना चाहते थे। कुछ ने उस युद्ध के दौरान अपनी आज़ादी भी खोई और लोकतंत्र को भी खोया। उस युद्ध में ऐसे लोगों ने सफलता पाई जो आज़ादी और प्रजातंत्र के हामी थे। परंतु कुछ समय बाद फिर दूसरा युद्ध चालू हो गया, जिसने फिर अनेक मुसीबतें मानवता पर लादीं। आज़ादी दुनिया के अनेक राष्ट्रों के लिए अभी भी दूर की मंजिल है। हम भी ऐसे ही राष्ट्रों में से हैं जिनके लिए आज भी आज़ादी दूर की मंजिल है। इसमें शर्म करने की जरूरत नहीं है क्योंकि अभी तक हमने जो हासिल किया है वह कम भी नहीं है। इसलिए ऐसे समय में यह उचित होगा कि जो कुछ हमने हासिल किया है उसके प्रतीक के रूप में

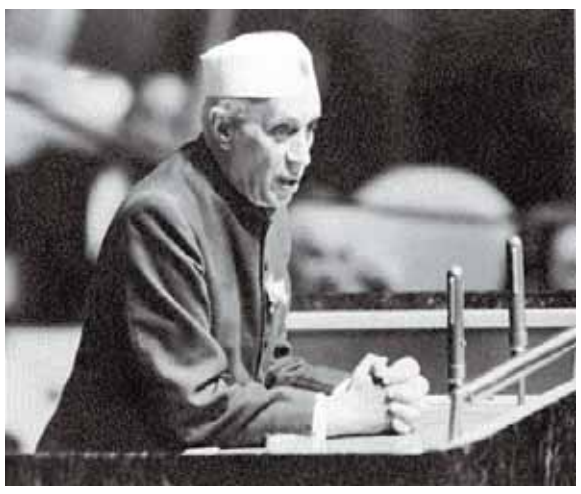

हम इस झंडे को स्वीकार करें। ऐसे अवसर पर हमें सोचना चाहिए कि आखिर आज़ादी क्या है? आज़ादी के लिए संघर्ष करने का अर्थ क्या है? मेरी मान्यता है कि आज़ादी उस समय तक जरूरी है जब हमारे देश में एक भी इंसान ऐसा हो जो अपने को आज़ाद अनुभव नहीं कर रहा हो। हमारे देश में तो क्या अगर दुनिया में भी अगर ऐसा इंसान है जिसे भूख का सामना कर पढ़ रहा हो, जिसे अपना शरीर ढंकने के लिए यथेष्ट कपड़े नहीं हों, जो इंसान की जीवन की कुछ महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को प्राप्त नहीं कर पा रहा हो, जिसके लिए प्रगति के दरवाजे अभी भी बंद हैं। यदि ऐसी स्थिति है तो उसे मैं आज़ादी नहीं मानूंगा। मैं सही आज़ादी उसे मानूंगा जब हमारी आने वाली पीढ़ियां ऐसा समाज हासिल कर सकें जिसमें वह सब प्राप्त हो जाए जिसका वर्णन मैंने किया है। हम एक ऐसे झंडे की कल्पना कर रहे हैं जो एक हद तक इंसान की महत्वाकांक्षा का प्रतिनिधित्व कर सके। इसलिए मैं सोचता हूं कि हमने जिस झंडे की कल्पना की है वह हमें वह सब हासिल करने की प्रेरणा देता है जो उसके जीवन को सुखद बनाता है। कोई भी राष्ट्र-हमारा राष्ट्र मिलाकर, जो भौतिक चीजों के साथ-साथ उन चीजों को भी हासिल करना चाहता है जो उसे आत्मिक सुख देता है। हम सदियों से इस तरह की चीजों को हासिल किए हुए हैं। हमने भले ही भौतिक चीज़े हासिल न की हों, हम भले ही अत्यधिक दुखी वातावरण में रहे हों परंतु ऐसी स्थिति में भी हमने अपने सिर को ऊंचा रखा है और हमने अपने आदर्शों और उसूलों को बचाकर रखा है। हम जो यहां पर एकत्रित हुए हैं वे एक संक्रमण काल से गुजर कर एकत्रित हुए हैं और हम इस संक्रमण को महसूस भी कर रहे हैं। हम इस संक्रमण को सुखद भविष्य के रूप में परिवर्तित भी कर रहे हैं। जैसा कि मैंने अपने भाषण के प्रारंभ में कहा था कि यह मेरा सुखद अधिकार है कि मुझे यह प्रस्ताव पेश करने का अवसर दिया गया है। मैं अब कुछ बातें इस झंडे के बारे में भी कहना चाहूंगा। इस झंडे और उस झंडे में जिसे हम पिछले कई वर्षों से लहराते रहे हैं थोड़ा अंतर है। वैसे इस झंडे के रंग भी वही हैं जो पहले झंडे में थे। पहले झंडे में चरखा था, जो आम आदमी के श्रम का प्रतीक था। जो हमें महात्मा गाँधी के आदेश से प्राप्त हुआ था। इस झंडे में थोड़ा अंतर किया गया है। इस झंडे में चरखे के स्थान पर अब एक चक्र ;चपदकसमद्ध रखा गया है। इस तरह हमने चरखे को पूरी तरह नहीं नकारा है। चरखे में चक्र होता था जिसे हमने इस झंडे में भी रखा है। परंतु किस तरह के चक्र को हमने रखा है? हमारे दिमाग में अनेक चक्र थे परंतु जो चक्र हमने रखा है वह हमें सम्राट अशोक की याद दिलाता है। उस अशोक का जिसका हमारे देश के इतिहास में अतिमहत्वपूर्ण स्थान है। न सिर्फ हमारे इतिहास में वरन् दुनिया के इतिहास में भी। आज के समय में दुनिया आपसी बैर, आपसी लड़ाई, असहिष्णुता के दौर के गुज़र रही है। हमारी स्मृति भारत के उस काल की तरफजाती है जब हम कुछ महत्वपूर्ण आदर्शों के प्रति समर्पित थे। शायद इन्हीं आदर्शों और सिद्धांतों के कारण हमारा देश और उसकी सभ्यता आज भी जीवित है। यदि हम उन आदर्शों में विश्वास नहीं रखते तो हमारा भारत कभी का मर जाता। हम उन आदर्शों को नये वातावरण में भी जिंदा रख सकें। इसके साथ ही हम दुनिया के अच्छे उसूलों को अपनाते रहे। इसलिए मैंने अशोक के नाम का उल्लेख किया। सच पूछा जाए तो सम्राट अशोक का काल भारतीय इतिहास का एक महानतम काल था। यह ऐसा समय था जब भारत ने अपने दूतों को दूसरे देशों में उस रूप में नहीं भेजा जिस रूप में सम्राज्यवादी देश भेजा करते थे। और भेजते हैं। हमारे राजदूत शांति, संस्कृति और सद्भावना का संदेश लेकर जाते थे। इसलिए जो झंडा मैं इस सदन को अर्पित कर रहा हूँ वह एक साम्राज्य का झंडा नहीं है बल्कि आज़ादी का झंडा है। न सिर्फहमारे लिए बल्कि दुनिया में रहने वाले हर इंसान के लिए है। इसलिए यह झंडा अब जहाँ भी जायेगा, जहां हमारे राजदूत रहेंगे, जहां हमारे जहाज जायेंगे वहां वे शांति का संदेश देंगे। दूसरे देशों से मैत्री का संदेश देंगे। यह झंडा यह संदेश देगा कि वह दुनिया के सभी देशों से मैत्री चाहता है।

मॉरिटेनिया: अचंभित करती ट्रेन का खूबसूरत सफर

उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका के सप्रभु राष्ट्र इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ मॉरिटेनिया के एक हिस्से से गुजरती हुई यह है दुनिया की सबसे लंबी और सबसे भारी ट्रेनों में से एक। इस मॉरिटेनियाई लौह अयस्क ट्रेन की लंबाई तीन किलोमीटर तक रहती है। इसमें 200 से 300 डिब्बे रहते हैं जिनमें से प्रत्येक का वजन 84 टन तक होता है। यह ट्रेन 704 किलोमीटर की यात्रा करती है।

सोहागपुर में विभिन्न विभागों द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत मध्य प्रदेश शासन के निर्देश अनुसार तिरंगा यात्रा का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग, नगर पालिका परिषद, शिक्षा विभाग, जनपद पंचायत विभाग एवं अन्य सभी विभागों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन के साथ किया गया। वृक्षारोपण के पश्चात हस्ताक्षर अभियान के बाद सेल्फी प्वाइंट और फ्लेक्स के माध्यम से लोगों को अपने घर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानियों, राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का सम्मान मैडल पहनकर किया गया। विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह ने तिरंगा यात्रा में सहभागिता करने बाले सभी सदस्यों को राष्ट्रीय ध्वज संहिता का पालन करने की शपथ दिलाई। सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाइयां दी नमो ऐप पर तिरंगे के साथ अपनी फोटो अपलोड करने का आग्रह किया। तिरंगे की आन बान शान बनाए रखने का आह्वान किया। सभी विभागों को कार्यक्रम सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। तिरंगा यात्रा मुख्य नगर पालिका मंगल भवन सोहागपुर से निकलकर मुख्य मार्गो से होते हुए लक्ष्मीबाई मंच पर पहुंचकर समाप्त हुई। राष्ट्रगान के साथ यात्रा का समापन किया। विधायक द्वारा उद्बोधन दिया एवं जनपद पंचायत सीईओ द्वारा उद्बोधन किया गया कार्यक्रम में विधायक विजयपाल सिंह, एसडीम बृजेन्द्र सिंह रावत, तहसीलदार अलका इक्का,

जनपद सीईओ संजय अग्रवाल, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटेल, उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी, थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर, अनिल गहराइयां नगर पालिका सीएमओ जीएस राजपूत उप यंत्री आईजी चौबे जनपद सीईओ पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा विकासखंड शिक्षा अधिकारी चौधरी बीआरसी राकेश रघुवंशी एवं खेल युवा कल्याण समन्वय श्रीमती चंदा मिश्रा व सभी पार्षदगण उपस्थित रहे एवं महाविद्यालय शासकीय विद्यालय अशासकीय विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। खेल संगठन एवं खिलाड़ियों एनसीसी स्काउट गाइड परिषद समाजसेवी संस्थाओं ने सहभागिता एवं सहयोग किया। माइक संचालन राजेश शुक्ला एवं संजीव शुक्ला द्वारा किया गया। आयोजन में लगभग 2000 से ऊपर गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया जा रहा खादी वस्त्रों पर विशेष डिस्काउन्ट

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

खादी ग्रामोद्योग, जिला पंचायत द्वारा स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन एवं जन्माष्टमी के अवसर पर समस्त प्रकार के वस्त्रों एवं विध्या वैली उत्पादों की बिक्री पर 20,10 प्रतिशत विशेष डिस्काउन्ट दिया जा रहा है। प्रभारी प्रबंधक खादी ग्रामोद्योग, जिला पंचायत नर्मदापुरम द्वारा बताया गया है कि उक्त विशेष डिस्काउन्ट 26 अगस्त तक दिया जाएगा। वस्त्रों की खरीदी करनें के लिए मध्यप्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड नर्मदापुरम द्वारा संचालित विक्रय केन्द्र, खादी ग्रामोद्योग एम्पोरियम, आरसीसी मॉल शॉप नं 21-22 कोठी बाजार नर्मदापुरम पर पहुंच कर उक्त डिस्काउन्ट का लाभ लिया जा सकता है।

जोश और उल्लास के साथ निकाली जमीयत उलेमा हिंद की वाहन रैली

सईद खान, सिरोंज।

हर बार की तरह स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विदिशा के सिरोंज में जमीयत उलेमा तहसील सिरोंज के बैनर तले वाहन रैली का आयोजन किया जाता रहा है, विदिशा के सिरोंज में स्वतंत्रता दिवस की 76 वी वर्षगांठ एवं अमृत महोत्सव के अवसर पर जमीयत उलेमा तहसील सिरोंज के बैनर तले एवं मुस्लिम धर्म गुरु जमीयत उलेमा हिंद के प्रदेश उपाध्यक्ष गाजी वली अहमद की सरपरस्ती में तिरंगा वाहन रैली का आयोजन किया गया। वाहन रैली प्रातः 9 बजे सिरोंज थाने से प्रारंभ होकर

हाजीपुर, बलेजा पेट्रोल पंप, छतरी नाका, कस्टम पथ, कठाली बाजार, चांदनी चौक, कोटगेट, राज बाजार होते हुए हाफिज याकूब बस स्टैंड पर रैली का समापन हुआ। हाफिज याकूब बस स्टैंड पर मंच का संचालन किया गया इस अवसर पर सिरोंज के गणमान्य नागरिक एवं जमीयत उलेमा जिला विदिशा तहसील सिरोंज के पदाधिकारी गण एवं सदस्य गण उपस्थित रहे।

वार्ड नंबर 4 के पार्षद ने किया स्वागतः वार्ड नंबर 4 के पार्षद नदीम खां उर्फ नददू ने अपने साथियों के साथ स्वागत किया।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मौन रखकर दी गई श्रद्धांजलि

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार सम्पूर्ण प्रदेश में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने थे। इसी क्रम में बुधवार 14 अगस्त को कलेक्ट्रेट कार्यालय नर्मदापुरम के रेवा सभाकक्ष विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर सोनिया मीना ने बताया की भारत के विभाजन के दौरान जिन परिवारों के सदस्यों को प्राण न्यौछावर करने पड़े, उन परिवारों को नमन करते हुए ऐसे लोगों की स्मृति में 14 अगस्त को %विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाता है। यह सर्वविदित है कि देश का विभाजन किसी विभीषिका से कम नहीं था। भारत के लाखों लोगों ने बलिदान देकर आजादी प्राप्त की थी, ऐसे समय पर देश का दो टुकड़ों में बँट जाने का दर्द लाखों परिवारों में एक गहरे जख्म की तरह घर कर गया है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम में सिंधी समाज पंचायत के सदस्य, सिख समाज के सदस्य उपस्थित थे। इस दौरान विधायक नर्मदापुरम डॉ सीतासरन शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए अपने अनुभवो को सभी के साथ साझा किया तथा सिंधी पंचायत एवं सिख समाज के वरिष्ठजनों ने भी विभाजन के दौरान उनके परिवारजनों को जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा उसका अनुभव बताया।

जिलाबदर का आरोपी पकड़ाया, रासुका की कार्यवाही

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

सिटी पुलिस ने एक आदतन अपराधी को जिला बदल के उल्लंघन मैं गिरफ्तार किया है। बता दे की एक वर्ष पूर्व ही जिला कलेक्टर ने

इस आरोपी को पांच जिलों की सीमा से बाहर किया था। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर सिटी पुलिस ने आरोपी बाला मराठा को मालवियागंज इलाके से गिरफ्तार किया, आरोपी पर रासुका की कार्रवाई की गई है। थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि आरोपी वाला मराठा को मालवियागंज से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून धारा के तहत कार्रवाई कर कोर्ट पेश किया था, जहाँ से जेल भेज दिया गया है।

भारत माता की जय के नारों के साथ निकले लोग, स्कूली बच्चों के बैंड ने बढ़ाया जोश

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

इटारसी में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों के आयोजन करने का सिलसिला शुरू हो गया है। इटारसी में नगरपालिका परिषद ने इसी श्रंखला में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। गांधी स्टेडियम के सामने मौजूद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने से तिरंगा यात्रा प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होकर जयस्तंभ चौक पहुंची, यहां पर यात्रा का समापन राष्ट्रगान के बाद हुआ। विधायक डॉ सीतासरन शर्मा के नेतृत्व में प्रारंभ हुई यात्रा में नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, सीएमओ ऋतु मेहरा, भाजपा जिला महामंत्री मुकेशचंद्र मैना, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष जयकिशोर चौधरी, सभापति राकेश जाधव, मंजीत कलोसिया, पार्षद कीर्ति दुबे, राहुल प्रधान, कुंदन गौर, शुभम गौर, अमित विश्वास, पार्षद सभापति प्रतिनिधि शहबाज बेग, विधायक प्रतिनिधि मंडी देवेंद्र पटेल, पार्षद दिलीप गोस्वामी, महिला मोर्चा अध्यक्ष पुरानी इटारसी बबीता चौहान, वीरेंद्र यादव, प्रकाश केवट, बसंत चौहान, आशीष मालवीय, भाजयुमो जिला मंत्री गोपाल शर्मा, जिला हॉकी संघ सचिव कन्हैया गुरयानी, अंकित चौरे, दीपकांत पटेल, उत्कर्ष नागे सहित अन्य मौजूद थे।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर विधायक उमाकांत के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी ने सिरोंज लटेरी विधानसभा स्तरीय तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। विधानसभा के पांचों मंडल स्तर पर सामूहिक रूप से आयोजित इस यात्रा का शुभारंभ विधानसभा के आखिरी छोर के मंडल आनंदपुर से प्रारम्भ हुई। उत्साह उल्लास के साथ विधायक उमाकांत शर्मा के नेतृत्व में आयोजित यात्रा का समापन अनंतश्री गार्डन में समापन हुआ। इसके बाद यह तिरंगा यात्रा लटेरी सिरोंज मार्ग पर देवीटोरी ग्राम पहुँचीं। यहाँ रैली के रूप में में चितावर मंडल के कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। चितावर मंडल की यह यात्रा कार्यकर्ताओं ने ग्राम ओराखेड़ी से शुरू की थी। इसके बाद पॉलिटेक्निक चौराहे पर देवपुर से प्रारम्भ करके आए देवपुर मंडल के कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। चारों मंडलों की ज्बा यह यात्रा सामूहिक रूप से आंगे बड़ी तो सिरोंज के दीनदयाल उपाध्याय मानस उद्यान पर विधायक उमाकांत शर्मा ने सिरोंज नगर मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ तिरंगा यात्रा की आगवानी की। यहाँ से डीजे पर बजे रहे देशभक्ति गीतों के साथ भारत के पक्ष में नारेबाजी करते हुए यह यात्रा तहसील मार्ग,नवीन बसस्टैंड, वलेजा पंप,छत्री चौराहे से होते हुए कुरवाई मार्ग पर अनंतश्री गार्डन पहुँचकर सम्पन्न हुई।

जय जवान, जय किसान

"जो देश के लिये शहीद हुये उनको हमारा सलाम है"

अपने खून से जिस जमीं को सींचा, कारगिल युद्ध में शहीद श्री विजयशंकर दुबे ग्राम ब्यावरा नर्मदापुरम को विनम्र श्रद्धांजली एवं नमन है।

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2024 (78वां) के अवसर पर कृषक/व्यापारी/हम्माल/तुलावटी भाईयों एवं मंडी से जुडे हुये प्रतिनिधी/अधिकारी/कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

अपीलः-
01 कृषक बंधु मण्डी प्रागंण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज की अनिवार्य रूप से दर्ज कराकर प्रवेश पर्ची प्राप्त करे।
02. कृषक बंधु अपनी फसल साफ-स्वच्छ कर ही मंडी प्रागंण में विक्रय करे ताकि अपनी फसल का अधिकतम भाव प्राप्त करें।
03. कृषक बंधु अपनी फसल का विक्रय शासन की योजनान्तर्गत फार्मनेट ऐप के माध्यम से कर सकते है।
04. कृषक बंधु अपनी फसल का गुणवत्ता संबंधी परीक्षण करवा ई-नेम योजनान्तर्गत विक्रय कर सकते है।
05. कृषक बंधु मंडी में विक्रय की गई फसल का भुगतान 1.99 लाख नगद एवं आर०टी०जी०एस० के माध्यम से उसी दिन प्राप्त करे।
06. मंडी में कृषक पुरुस्कार योजना लागू है कूपन सूचना केन्द्र प्राप्त कर सकते है।
07. कृषक बंधु ई-मंडी ऐप के माध्यम से स्वयं मोबाइल पर प्रवेश पर्ची बनवाये।

(के.सी. बामालियॉ)
प्रभारी सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति इटारसी

(श्री टी. प्रतीक राव) (आई.ए.एस.)
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सह भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मण्डी समिति इटारसी

विधायक प्रतिनिधि नर्मदापुरम/सिवनी मालवा / सोहागपुर एवं समस्त कर्मचारीगण
कृषि उपज मंडी समिति इटारसी जिला-नर्मदापुरम (म.प्र.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद, इटारसी

15 अगस्त 2024, स्वतंत्रता दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हम सब मिलकर नगर के विकास का नया इतिहास रचने का संकल्प लेकर नगरवासियों की समस्यामुक्त जिन्दगी का हक दिलाने में प्रयासरत रहेंगे।

• नागरिक बन्धुओं से विनम्र अपील •

» शहर में पॉलीथिन प्रतिबंधित है कृपया पॉलीथिन का इस्तेमाल न करें।
» घर का कचरा बाहर न फेंके। कचरा एकत्रित कर कचरा, नगरपालिका के कचरा वाहन में ही डालें।
» करों का भुगतान समय सीमा में करें।
» नलों में टोंटी लगायें जल को व्यर्थ न बहने दें।
» पर्यावरण संतुलन हेतु वृक्षों को न काटें और न ही कटने दें एवं वृक्षारोपण करें।
» विवाह तथा जन्म एवं मृत्यु का पंजीयन अवश्य ही करायें।
» निर्माण कार्य स्वीकृत नक्शे के अनुसार ही करें।
» घरों में वर्षा जल संचयन किया जाए।

श्री पंकज चौरे
अध्यक्ष

श्रीमति रितु मेहरा
मुख्य नगरपालिका अधिकारी

उपाध्यक्ष तथा समस्त पार्षदगण
समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण,
नगर पालिका परिषद इटारसी जिला- नर्मदापुरम (म.प्र.)

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला भोपाल

E-mail Id-mobhopal@gmail.com

क्रमॉक/ 1320/ खनिज/उ.प्र.-234/2024 भोपाल, दिनॉक-7/8/2024

// द्वितीय सूचना//

मप्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियत , 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए।

यह सूचित किया जाता है कि **आवेदिका श्रीमती चंदा जावरे पत्नि श्री राजेश जावेर पता-80 शाहपुर, जिला भोपाल म.प्र.** द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 18/06/2024 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक जी-13208/24 दिनांक 10/07/2024 प्रकाशित की गई थी इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 30/08/2024 तक स क्षेत्र पर यथा स्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किया जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
भोपाल	हुजूर	राजीव नगर	84 (एस)	2.000	शासकीय	मुरम	

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05.30 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. खनिज नियम 1996 के नियम -21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशत विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के अनियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

सह. खनिज अधिकारी
जिला भोपाल

G-14891/24

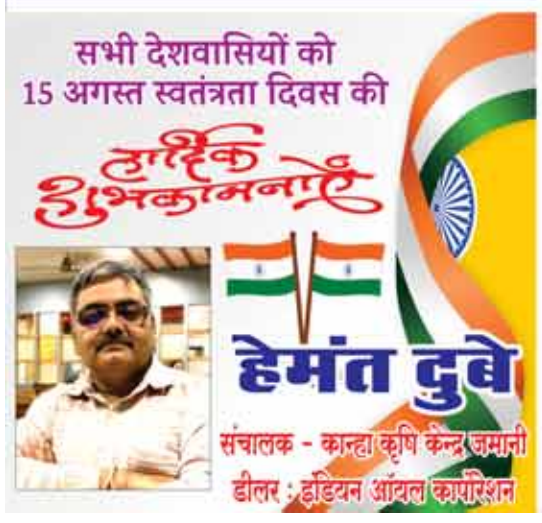

संकलन- पुनीत मालवीय, इटारसी

पैरालंपिक: 28 अगस्त से होगा आगाज

पेरिस में उतरेगा भारत का सबसे बड़ा दल, 84 एथलीट लेंगे हिस्सा

जयपुर. एजेंसी

ओलंपिक के समापन के बाद अब पेरिस 28 अगस्त से पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करेगा। 28 अगस्त से 8 सितंबर तक होने वाले पैरालंपिक खेलों में इस बार भारत अपना सबसे बड़ा दल भेज रहा है। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआइ) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया ने बताया कि पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत 12 खेलों में अपना 84 सदस्यीय दल भेज रहा है। झाझड़िया ने उम्मीद जताई कि टोक्यो पैरालंपिक के शानदार प्रदर्शन का सिलसिला पेरिस में भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा, टोक्यो में भारतीय दल ने 19 पदक जीते थे, लेकिन इस बार हमारा लक्ष्य 25 पदक जीतना है।

हमारी एथलीट पूरी तरह तैयार: द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित एथलेटिक्स कोच महावीर प्रसाद सैनी ने बताया कि पैरालंपिक के लिए हमारे एथलीटों की तैयारी पूरी है। उन्होंने कहा, राजस्थान के पैरा खिलाड़ियों ने पिछली बार पांच पदक जीते थे, इस बार संख्या बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, झाझड़िया ने कहा कि भारतीय दल में अमित सरोहा सबसे अनुभवी व आर्चर शीतल देवी सबसे युवा एथलीट हैं।

पैरा शटलर प्रमोद को किया निलंबित

नई दिल्ली , एजेंसी

टोक्यो के स्वर्ण पदक विजेता पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत पेरिस पैरालम्पिक में अपना खिताब बरकरार नहीं रख पाएंगे। प्रमोद को विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) के डोपिंग रोधी 'व्हेयर अबाउट' (ठिकाने का पता) नियम के उल्लंघन के कारण 18 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। प्रमोद ने अपील भी की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। यह निलंबन 1 सितंबर, 2025 तक लागू रहेगा।

पेरिस ओलंपिक: इगा स्विटेक हारीं तो पहलवान सुसाकी का विजय रथ थमा

शीर्ष खिलाड़ियों का सपना टूटा

स्वर्ण पदक के दावेदार के तौर पर उतरे, हुए उलटफेर का शिकार

पेरिस, एजेंसी

विश्व के शीर्ष वरीय खिलाड़ी के तौर पर पेरिस ओलंपिक में शिरकत करने पहुंचे कई स्टार खिलाड़ियों को बड़े उलटफेर का सामना करना पड़ा। शीर्ष वरीय टेनिस स्टार इगा स्विटेक हो या फिर अमरीकी रेसर नूह लाइल्स। ये खिलाड़ी पेरिस में स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार थे, लेकिन इन्हें निराशा हाथ लगी। पेरिस ओलंपिक में हुए ये बड़े उलटफेर...

झेंग ने टेनिस क्वीन इगा स्विटेक को किया बाहर

टेनिस की महिला एकल स्पर्धा में पोलैंड की इगा स्विटेक प्रबल दावेदार थीं, लेकिन चीन की झेंग किनवेन ने उनका स्वर्ण पदक जीतने का सपना तोड़ दिया। झेंग ने शीर्ष वरीय स्विटेक को उनके पसंदीदा रोलां गैरों स्टेडियम में मात दी व फाइनल में जगह बनाई।

विनेश ने खत्म की सुसाकी की बादशाहत

कुश्ती में महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग में भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने टोक्यो ओलंपिक की चैंपियन जापान की युई सुसाकी को पहले ही दौर में हरा कर बाहर कर दिया। सुसाकी ने बीते 14 साल से एक भी अंतरराष्ट्रीय बाउट नहीं हारी थी, लेकिन विनेश ने दबदबा खत्म किया।

चीन ने अमरीका को पछाड़ा: चार गुणा 100 मीटर रिले तैराकी में यह ओलंपिक का सबसे बड़ा उलटफेर था जब चीन ने अमरीका को पछाड़ दिया। इस इवेंट में अमरीका 64 सालों से अजेय था।

नूह पिछड़े: पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में अमरीका के नूह लाइल्स स्वर्ण पदक के दावेदार थे, लेकिन वे कांस्य पदक ही जीत सके। बोत्सवाना के टेबोगो ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

निराशाजनक: भारतीय एथलीटों ने टोक्यो में सात जबकि पेरिस ओलंपिक में छह पदक जीते

टोक्यो ओलंपिक 2020 में सात पदक जीतने के बाद भारत सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 10 से ज्यादा पदक जीतने का लक्ष्य बनाया था। इसके लिए बड़े पैमाने पर पैसा भी खर्च किया गया और खिलाड़ियों को विदेशी कोचों के अलावा हर तरह की सुविधाएं भी मुहैया कराई गई थी। इसके बावजूद पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 एथलीट सिर्फ एक रजत और पांच कांस्य पदक ही जीत सके। साफ है कि यह प्रदर्शन टोक्यो के मुकाबले निराशाजनक है। अब सवाल यह है कि आखिर चूक कहां हुई...

जनसंख्या के लिहाज से भारत पदक जीतने में सबसे पीछे रहा...

पेरिस ओलंपिक में जनसंख्या के लिहाज से पदक जीतने में भारत और पाकिस्तान सबसे पीछे रहे। भारत की आबादी करीब 140 करोड़ है और उसके खाते में कुल छह पदक आए। इसके तहत, औसतन 23.60 करोड़ लोगों पर एक पदक आया। वहीं, पाकिस्तान के 24.14 करोड़ लोगों में सिर्फ एक ने पदक जीता। 1.24 लाख की आबादी वाला ग्रेनेडा जनसंख्या के लिहाज से तालिका में शीर्ष पर रहा। ग्रेनेडा ने दो कांस्य पदक जीते। इसके तहत, 62,719 लोगों पर एक पदक आया।

डोमिनिका पदक जीतने वाला सबसे छोटा देश

भारत को पेरिस ओलंपिक में सबसे अधिक उम्मीद उन खिलाड़ियों से थी, जिन्होंने टोक्यो में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीते थे, लेकिन उन्होंने निराश किया। बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और मुक्केबाज लवलीना बोरगोहन ने टोक्यो में कांस्य व वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने रजत पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में सिंधू अंतिम-16 और लवलीना क्वार्टरफाइनल में हारीं जबकि मीराबाई चानू चौथे स्थान पर रहीं। किस्मत भी पेरिस ओलंपिक में भारतीय एथलीटों के साथ नहीं थी। ओलंपिक इतिहास में पहली बार छह भारतीय खिलाड़ी अलग-अलग स्पर्धाओं में चौथे स्थान पर रहकर कांस्य पदक जीतने से चूक गए। वहीं महिला पहलवान विनेश फोगाट के लिए पेरिस ओलंपिक बुरे सपने की तरह रहा। विनेश 50 किग्रा वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में पहुंची। गोल्ड पर उनका दावा मजबूत लग रहा था लेकिन फाइनल से पहले उनका वजन 100 ग्राम ज्यादा निकला और उन्हें डिस्क्वालीफाई कर दिया गया। कैरेबियाई देश डोमिनिका पेरिस में पदक जीतने वाला सबसे छोटा देश रहा। डोमिनिका का क्षेत्रफल 48,671 किमी है और उसकी आबादी 1.14 करोड़ है। इस देश ने एक स्वर्ण और दो कांस्य सहित तीन पदक जीते। हर्निया और कंधे की चोट से परेशान नीरज लंबे समय से कंधे की चोट से जूझ रहे हैं। उन्हें हर्निया की समस्या भी हो गई। नीरज ने स्वीकार किया कि पूरी तरह से फिट नहीं होने का असर उनके खेल पर पड़ा।

दलीप ट्रॉफी नहीं खेलेंगे रोहित और कोहली, सिलेक्टर्स ने टीमों का ऐलान किया; श्रेयस अय्यर करेंगे कप्तानी

मुंबई, एजेंसी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली दलीप ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में नहीं खेल रहे हैं। बीसीसीआई की सीनियर सिलेक्शन कमेटी ने टूर्नामेंट के लिए टीमों का ऐलान किया। पिछले साल सिलेक्टर्स के कहने के बावजूद रणजी नहीं खेलने वाले श्रेयस अय्यर को टीम डी का कप्तान बनाया गया है। ईशान किशन भी इस टीम का हिस्सा हैं। वहीं, कार एक्सीडेंट से वापसी करने वाले ऋषभ पंत को टीम बी में चुना गया है। अय्यर के अलावा, ओपनर शुभमन गिल को टीम ए, अभिमन्यु ईश्वरन को टीम बी और ऋतुराज गायकवाड को टीम सी का कप्तान बनाया है।

बोर्ड ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम में चुने गए खिलाड़ियों को अन्य से रिप्लेस किया जाएगा। साथ ही नीतीश कुमार रेड्डी की उपलब्धता उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। 5 सितंबर से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट से इस रेड बॉल सीजन की शुरुआत होगी। इस बार के मुकाबले अनंतपुर और बेंगलुरु में खेले जाएंगे।

बुमराह को आराम: भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। बताया जा रहा है कि सिलेक्टर्स ने खेलने और न खेलने का फैसला दोनों क्रिकेटर्स पर छोड़ा था। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है। सिलेक्शन कमेटी ने ईशान किशन को टीम डी में रखा है। वे टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज चुने गए हैं। सिलेक्शन कमेटी चाहती है कि भारतीय टीम में वापसी करने के लिए किशन रेड बॉल क्रिकेट में हिस्सा लें। पिछले सीजन में वे और श्रेयस अय्यर पिछले सीजन में सिलेक्शन कमेटी के कहने के बावजूद रणजी ट्रॉफी नहीं खेले थे। ऐसे में दोनों को बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर लिया गया था। दलीप ट्रॉफी इस सीजन में नए फॉर्मेट में खेली जाएगी। यह पहले की तरह जोनल फॉर्मेट में आयोजित नहीं होगा।

नरूका बोले- ओलंपिक में पदक चूकने की विफलता को सफलता में बदलकर रहूंगा

नई दिल्ली , एजेंसी

पेरिस ओलंपिक में भारतीय शूटर अनंतजीत सिंह नरूका मिक्स टीम स्कीट इवेंट में सिर्फ एक अंक से कांस्य पदक जीतने से चूक गए। वो दिन उनके लिए बेहद निराशाजनक था लेकिन अब वह इससे उबरकर भविष्य में अच्छे प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। पहली बार ओलंपिक में शिरकत करने वाले नरूका ने पत्रिका से खास बातचीत में कहा कि वह हर हाल में पदक जीतने की विफलता को सफलता में बदलकर रहेंगे। नरूका ने कहा, मुझे और माहेश्वरी को पदक जीतने की पूरी उम्मीद थी लेकिन एक गलत शॉट ने हमारी मेहनत पर पानी फेर दिया। मुझे मलाल है कि देश को पदक नहीं दिला सके लेकिन हमने अपनी तरफ से पूरा प्रयास किया था,

लेकिन हर विफलता हमें सफल होने का गुर सिखा जाती है। मैं अगले ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के लिए पूरी कोशिश करूंगा।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

जॉन बोले- मुझे कहा गया मेरा करियर खत्म हो चुका है, मैंने चार साल तक कोई काम नहीं किया

जॉन अब्राहम ने फिल्में प्रोड्यूस करना तब शुरू किया, जब उन्हें अपनी एक्टिंग से खुशी नहीं मिल रही थी। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि कई सालों तक उनके पास काम नहीं था। इंडस्ट्री ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया था। लेकिन उन्होंने खुद को साबित किया। उन्होंने दिखाया कि वह सिर्फ एक एक्शन हीरो नहीं हैं, बल्कि और भी बहुत कुछ हैं। 2023 में, जॉन ने 'पठान' में विलेन का रोल किया। यह उनके करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन गई। एक इंटरव्यू में जॉन से पूछा गया कि उन्होंने प्रोड्यूसर बनने का फैसला क्यों किया। इस पर जॉन ने कहा, जो फिल्में मैं कर रहा था, उनसे खुश नहीं था। मैं बदलाव चाहता था। मेरी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। लोग मुझे एक भारी-भरकम आदमी से ज्यादा समझने लगे। उन्होंने देखा कि मेरे पास दिमाग भी है। उन्होंने महसूस किया कि मैं अलग-अलग तरह की फिल्में बना सकता हूं। जैसे विक्की डोनर, परमाणु, बाटला हाउस। जब पूछा गया कि इस बदलाव के दौरान वह खुश थे या नहीं, जॉन ने कहा, हां, मैं हमेशा खुश रहता हूं। मैं कभी असुरक्षित महसूस नहीं करता। 'परमाणु' से पहले, मैंने चार साल तक कोई काम नहीं किया। कई नए लोग इंडस्ट्री में आ गए। मुझे कहा गया कि मैं खत्म हो गया हूं। लेकिन मैंने कभी मेहनत करना नहीं छोड़ा। मेरा मानना है कि आप बस मेहनत करते रहो, लोग तुम्हारी ईमानदारी को जरूर देखेंगे। बता दें, जॉन की पहली फिल्म बतौर प्रोड्यूसर 'विक्की डोनर' थी। फिल्म प्रोड्यूसर बनने के एक्सपीरियंस को शेयर करते हुए, जॉन ने कहा, विक्की डोनर एक बहुत ही अलग फिल्म थी। जब मैंने स्टूडियो से कहा कि मैं यह फिल्म करना चाहता हूं, तो वे चौंक गए। फिल्म हिट हुई। मुझे खुशी है कि इंडस्ट्री को आयुष्मान खुराना जैसा एक्टर मिला। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने खुद फिल्म में काम क्यों नहीं किया, तो उन्होंने बताया कि आयुष्मान इस रोल के लिए बेहतर थे। जॉन ने बताया कि आजकल बॉलीवुड में प्रोड्यूसर खुद पैसे नहीं लगाते। वे स्टूडियो के पास जाते हैं। स्टूडियो पैसे लगाते हैं।

पॉलिटिक्स से फिल्मी करियर में आ रही हैं दिक्कतें, कंगना रनोट नहीं कर पा रहीं शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट ने राजनीति में कदम रखकर ऐलान किया था कि अगर वो लोकसभा चुनाव जीतती हैं, तो फिल्म इंडस्ट्री छोड़ देंगी। एक्ट्रेस हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बनी हैं। हालांकि अब एक्ट्रेस की मानें तो फिल्में करना चाहती हैं, लेकिन पॉलिटिकल करियर के चलते उन्हें फिल्मी करियर से तालमेल बैठाने में अड़चन हो रही है। हाल ही में कंगना रनोट ने वैराइटी को दिए एक इंटरव्यू में बताया है कि उनकी कई फिल्मों की शूटिंग पेंडिंग है। उनके कई प्रोजेक्ट सिर्फ इस वजह से रुके हुए हैं क्योंकि वो शूटिंग के लिए समय नहीं निकाल पा रही हैं। एक्ट्रेस ने अपकमिंग प्रोजेक्ट पर बात करते हुए कहा है, मेरा फिल्म वर्क खराब हो रहा है। मेरे अपकमिंग प्रोजेक्ट्स इंतजार में हैं। मैं अपनी फिल्मों की शूटिंग शुरू नहीं कर पा रही हूं। मैं फिलहाल सर्दियों में होने वाले संसद के सेशन का इंतजार कर रही हूं। मैं अपनी डेट्स एडजस्ट कर सकती हूं। एक्ट्रेस ने कहा है कि संसद के शेड्यूल के चलते उनकी फिल्मों की शूटिंग टालनी पड़ रही हैं।

अक्षय ने कहा- लोग पूछते थे तुम्हें सैनिटरी पैड और टॉयलेट पर फिल्म क्यों बनानी है?

अक्षय कुमार इन दिनों फ्लॉप फिल्मों के दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, बीते कुछ सालों में उन्होंने 'पैडमैन', 'टॉयलेट' और 'ह्रस्न 2' जैसी सोशल कॉज और टैबू सब्जेक्ट पर बनने वाली कई फिल्मों में काम किया है। इसी बीच एक्टर ने एक इंटरव्यू में बताया कि इंडस्ट्री के कई लोगों और उनके दोस्तों तक ने उनकी फिल्म चॉइस को लेकर सवाल किए हैं। एक इंटरव्यू में अक्षय ने कहा- 'मैंने सोशल कॉज वाले टॉपिक पर कई फिल्में की हैं। इस दौरान इंडस्ट्री के कई दोस्तों और लोगों ने मुझसे कहा कि तुमको सैनिटरी पैड पर फिल्म क्यों बनानी है ? क्यों तुमको टॉयलेट पर फिल्म बनानी है?' एक्टर ने आगे कहा- 'जब मैंने सेक्स एजुकेशन पर फिल्म बनाई तो कई लोगों ने मेरा विरोध किया। उन्होंने कहा कि सेक्स के बारे में बात करना बुरा है। पर मैंने इन फिल्मों को किया क्योंकि मुझे वो कहानियां पसंद आईं। आगे भी कोई ऐसी कहानी पसंद आएगी तो मैं फिर करूंगा।'

'सरफिरा' पर मैंने काफी मेहनत की थी

वहीं जब अक्षय से पूछा गया कि वो कौन सी फिल्म है जिस पर आपने अपने पूरे करियर में सबसे ज्यादा मेहनत की हो पर फिल्म को क्रेडिट नहीं मिला हो। इसके जवाब में एक्टर ने हालिया रिलीज फिल्म 'सरफिरा' का नाम लिया। अक्षय ने कहा, 'सरफिरा पर मैंने काफी ज्यादा मेहनत की थी पर ऐसा होता है.. कभी-कभी आप किसी फिल्म पर बहुत काम करते हो पर ऑडियंस से आपको उस हिसाब का रिस्पॉन्स नहीं मिलता लेकिन 'सरफिरा' अब तक मेरी की हुई बेस्ट फिल्मों में से एक है।' अक्षय इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'खेल खेल में' के प्रमोशन में बिजी हैं। 15 अगस्त को रिलीज होने वाली इस फिल्म में अक्षय के अलावा फरदीन खान, तापसी पन्नू और वाणी कपूर समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

मेट्रो बाजार

गूगल का भारत में पहला फोल्डेबल फोन लॉन्च, कीमत 1.30 लाख

वॉच 3 और बड्स प्रो 2 भी पेश किए

नईदिल्ली, एजेंसी

टेक कंपनी गूगल सालाना इवेंट मेड बाय गूगल में पिक्सल 9 सीरीज को लॉन्च कर दिया है। कंपनी की इस सीरीज में पिक्सल 9, पिक्सल 9 प्रो, पिक्सल 9 एक्स एल और पिक्सल 9 प्रो फोल्ड शामिल हैं। इसके अलावा, वैरिएबल डिवाइस में पिक्सल वॉच 3 और बड्स प्रो 2 भी पेश किए गए।

पिक्सल सीरीज के फोन कई एआई फीचर्स से लैस हैं। इनमें पिक्सल स्क्रीनशॉट, जेमिनी एआई, जेमिनी लाइव, पिक्सल स्टूडियो, सर्किल टु सर्च, एआई वेदर समरी और कॉल नोट्स शामिल हैं। गूगल अपने फोन्स पर 7 साल तक सपोर्ट देगा। इसमें ओएस अपडेट, सिक्योरिटी अपडेट, फीचर ड्रॉप और एआई इनोवेशन मिलेंगे। गूगल पिक्सल 9 सीरीज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जेमिनी लाइव भी मिलेगा। गूगल पिक्सल सीरीज की कीमत 79,999 रुपए से शुरू भारतीय बाजार पिक्सल 9 प्रो फोल्ड कंपनी का पहला फोल्डेबल फोन है। इसकी कीमत 1,72,999 रुपए रखी गई है। इसके अलावा पिक्सल 9 की कीमत 79999 रुपए, पिक्सल 9 प्रो की कीमत 109999 रुपए है। कंपनी ने सभी स्मार्टफोन को फिलहाल सिंगल स्टोरेज वैरिएंट में पेश किया है। जल्द ही इनके अन्य स्टोरेज वैरिएंट भी पेश किए जाएंगे। गूगल ने 39,990 की शुरुआती कीमत में पिक्सल वॉच 3 भी लॉन्च की है। इसके अलावा, पिक्सल बड्स प्रो 2 भी पेश की है, जिसकी कीमत 22,900 रुपए है। गूगल के डिवाइस भारत में फ्लिपकार्ट पर अवेलेबल हैं। भारत में सभी डिवाइस की प्री बुकिंग शुरू कर दी गई है। पिक्सल 9 और पिक्सल 9 प्रो एक्सएल की बिक्री 22 अगस्त से शुरू होगी। पिक्सल 9 डिवाइस के साथ 1 साल तक का गूगल वन एआई प्रीमियम मेंबरशिप सब्सक्रिप्शन, और 12 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई अवेलेबल है। पिक्सल सीरीज में पहली बार एक्सएल मॉडल शामिल हुआ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फीचर्स के अलावा बड़ी बात यह भी है कि इस सीरीज

चुनौती: 299 में से केवल 60 चीजों के दाम घटे

महंगाई दर घटने के बावजूद ब्याज दर में नहीं होगी कटौती!

नईदिल्ली, एजेंसी

देश में खुदरा महंगाई बढ़ने की दर अगस्त 2019 के बाद पहली बार आरबीआइ के 4त्न के लक्ष्य से नीचे 3.54त्न पर आई है। साथ ही औद्योगिक उत्पादन में भी गिरावट आई है, जिससे लोगों में आस जगी है कि आरबीआइ जीडीपी को बूस्ट देने के लिए अक्टूबर में होनी वाली एमपीसी बैठक में रेपो रेट में कटौती कर सकता है और लोगों की ईएमआइ घट सकती है और लोन सस्ता हो सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि खुदरा महंगाई कम होने के बावजूद खाद्य महंगाई बड़ी चुनौती बनी हुई है, इससे अक्टूबर में भी ब्याज दरों (रेपो रेट) में कटौती की संभावना नहीं है।बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट कीमतों में नरमी के बजाय हायर बेस इफेक्ट के कारण कारण आई है। जहां तक दर में कटौती की संभावना की बात है, आरबीआइ अक्टूबर में रेपो रेट यथावत रख सकता है।

कोहेफिजा इलाके में घर के सामने खड़ी पल्सर बाइक चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा इलाके में घर के सामने खड़ी पल्सर बाइक चोरी चली गई. पुलिस के मुताबिक अभिषेक नामदेव (19) बरेलागांव लालघाटी में रहता है और विजय नगर लालघाटी स्थित ब्रिज के नीचे चाय की दुकान चलाता है। उसके मकान में मरम्मत का काम चल रहा है, इसलिए पूरा परिवार पास वाली गली के दूसरे मकान में रहता है। अभिषेक ने अपनी पल्सर बाइक घर के सामने खड़ी की थी। अगले दिन देखा तो बाइक चोरी हो चुकी थी। आसपास तलाश करने पर भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चला तो थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर गोविंदपुरा स्थित नेक्सा शोरूम के सामने खड़ी समीर सिंह और श्यामला हिल्स स्थित शीतलदास की बगिया पार्किंग में खड़ी राहुल कचेला की बाइक चोरी चली गई। इधर देहात के बिलखिरिया थानांतर्गत छावनी पठार में रहने वाले राहुल ठाकुर की घर के सामने खड़ी होंडा साइन बाइक चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

खराब खाने की शिकायत पर युवक को पीटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेलवे स्टेशन के सामने होटल पर भोजन करने पहुंचे एक युवक ने खाना खराब होने की शिकायत की तो होटल के कर्मचारी ने उसके साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार प्रवीण कुमार यादव (25) मूलतः बिहार का रहने वाला है. बीटेक का पेपर देने के लिए वह भोपाल आया था। मंगलवार शाम को वापस जाने के लिए वह भोपाल स्टेशन पहुंचा। भूख लगने के कारण स्टेशन के सामने स्थित होटल पहुंचा और एक थाली भोजन लगवाया। प्रवीण ने जब खाना खाया तो उसमें कोई टेस्ट नहीं था। इसका शिकायत उसने होटल वाले से की तो अंदर से एक युवक बाहर निकला और प्रवीण के साथ गाली-गलौज करते हुए जमकर मारपीट कर दी। प्रवीण किसी तरह उसके चंगुल से छूटकर थाने पहुंचा और घटना की जानकारी दी। पुलिस ने रविकांत नामक युवक के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया है।

पुरानी रंजिश के चलते युवक से मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर इलाके में पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों ने एक युवक के साथ मारपीट कर दी। पुलिस के मुताबिक रवि कुशवाह (27) कोटरा सुल्तानाबाद में रहता है और आईटीआई गोविंदपुरा में नौकरी करता है। सोमवार की रात वह काम से घर लौटा था। रात करीब 11 बजे बाइक में पेट्रोल डलवाने के लिए पीएण्डटी चौराहे जा रहे थे। चौराहे के पास उसे कार्तिक और दीपक मिल गए और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने लगे। रवि ने जब गाली देने से मना किया तो दोनों ने उसके साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

हर घर तिरंगा अभियान, निकाली पैदल तिरंगा रैली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सौजन्य से आयोजित पैदल तिरंगा रैली सतपुड़ा भवन से सौर्य स्मारक तक निकाली गईए इस दौरान सभी ने देश भक्ति के नारे लगाए एवं आमजनों द्वारा रैली का ताली बजाकर उत्साहवर्धन किया। ष्पैदल तिरंगा रैलीष् का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणाचारी मिश्र द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। रैली में विशिष्ट अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक ;कम्युनिटी पुलिसिंगद्ध डॉ0 विनीत कपूरए सीजीएम चन्द्रशेखर शर्माए पुलिस उपायुक्त नीतू ठाकुर एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारीए सृजन मे प्रशिक्षणरत बालकध्बालिकाएंए उदयए संगिनीए बचपनए आरंभ इत्यादि एनजीओ के सदस्य समेत लगभग 500 लोग सम्मिलित हुए। इस अवसर पुलिस आयुक्त मिश्र ने रैली को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं एवं कहा कि हर घर तिरंगा अभियान को 15 अगस्त तक निरंतर जारी रखना है एवं सभी को अपने.अपने घरों में भी तिरंगा फहराना है। रैली सतपुड़ा भवन स्थित पार्क से शुरू होकर सौर्य स्मारक पर समापन हुई। उपरांत देश भक्ति के गीत संगीत हुएए एवं सृजन के बालकए बालिकाओं द्वारा मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत मे पुलिस उप महानिरीक्षक ;कम्युनिटी पुलिसिंगद्ध डॉ0 विनीत कपूरए सीजीएम चन्द्रशेखर शर्मा द्वारा बालकध्बालिकाओं को सर्टिफिकेट एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

32 पुलिस अधिकारियों को मिलेगा राष्ट्रपति गैलेंट्री अवार्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रपति की तरफ से दिए जाने वाले गैलेंट्री अवार्ड ;वीरता पदकद्धए विशिष्ट सेवा पदक डिस्टिंग्विश सर्विस अवार्ड और सराहनीय सेवा पदक ;मेरिटोरियस सर्विस अवॉर्डद्ध के लिए मध्यप्रदेश पुलिस के 32 पुलिस अधिकारियों को चुना गया है। इनमें वीरता पदक 12 हैं। जिनमें 11 वीरता अवार्ड नक्सल अभियान में शामिल पुलिस जवानों, अधिकारियों को मिले हैं। जिन्होंने अपने अदम्य साहस से 6 हार्डकोर नक्सलियों को ढेर किया। अगले साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर इन्हें पदक से सम्मानित किया जाएगा। केन्द्रीय गृह मंत्रालय से जारी अवार्ड के मुताबिकए एमपी को गैलेंट्री अवॉर्ड के लिए 12ए विशिष्ट सेवा पदक के लिए 4 और सराहनीय सेवा पदक के लिए 14 अधिकारी कर्मचारी चुने गए हैं। इसके अलावा होमगार्ड कैटेगरी में भी दो सैनिकों को अवॉर्ड के लिए चुना गया है। मध्यप्रदेश पुलिस के इतिहास में सालभर में 15 वीरता मिले। इसी साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 3 पुलिस अधिकारियों को वीरता पदक का ऐलान हुआ था।

मध्यप्रदेश पुलिस के 32 अधिकारियों का नाम चयनित

मुख्यमंत्री ने दी बधाई

अवॉर्ड में चयनित अधिकारियों को मुख्यमंत्री डॉण् मोहन यादव ने बधाई दी है। कोलार इलाके में तिरंगा यात्रा में शामिल होने पहुंचे सीएम यादव ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में इस साल जितने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को वीरता पदकए विशिष्ट सेवा पदक और सराहनीय सेवा पदक मिले हैंए इसके पहले कभी इतने नहीं मिले। यह पुलिस के साथ सरकार के लिए भी गर्व की बात है। अवार्ड पाने वालों में एडीजी चंचल शेखरए आईजी अरविंद सक्सेना और राजेश हिंगणकरए डीआईजी पंकज श्रीवास्तवए राजेश सिंहए विनीत कपूर के अलावा पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी समीर सौरभए मोती ऊर रहमान और इंस्पेक्टरए सब इंस्पेक्टरए हेड कॉन्स्टेबल शामिल हैं।

इन 12 अफसरों को मिला गैलेंट्री अवॉर्ड

सब इंस्पेक्टर मोण् अयूब खानए सब इंस्पेक्टर आशीष शर्माए हेड कांस्टेबल हनुमत टेकामए पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ ;आईपीएसए कमांडेंट मोती ऊर रहमान ;आईपीएसद्धए इंस्पेक्टर आशीष शर्माए सब इस्पेक्टर मोहनलाल मरावीए एएसआई राजेश धुर्वेए सब इंस्पेक्टर नामदेव शर्माए एएसआई अरुण मिश्राए एएसआई अतुल कुमार शुक्लाए आईपीएस पुनीत गहलोद शामिल हैं। इनमें 11 पुलिस अधिकारी नक्सल विरोधी अभियान में शामिल रहे।

राष्ट्रपति की ओर से विशिष्ट सेवा पदक

- चंचल शेखरए एडीजी
- अरविंद कुमार सक्सेना एआईजी
- राजेश हिंगणकर एआईजी
- रामधर भारद्वाज एएसपी

इन हार्डकोर नक्सलियों को ढेर किया

- 30 नवंबर 2022 को जामसेहा जंगल में 49 लाख के इनामी दो नक्सलियों को ढेर किया। मुठभेड़ टीम में शामिल पुलिस अधीक्षक बालाघाट समीर सौरभए सेनानी हाकफोर्स पुनीत गहलोद को वीरता पदक मिला।
- 18 दिसंबर 2022 को थाना मजालखंड के हार्टला जंगल में 14 लाख रुपए इनामी पुरुष माओवादी को ढेर किया। मुठभेड़ में शामिल हाकफोर्स के सब इंस्पेक्टर आशीष शर्माए प्रधान आरक्षक हनुमंत तेकाम को वीरता पदक के चयनित किया गया।
- 22 अप्रैल 2023 को कदला जंगल में 28 लाख की इनामी दो महिला नक्सलियों को ढेर किया गया। मुठभेड़ में शामिल पुलिस अधीक्षक बालाघाट समीर सौरभए सेनानी हाकफोर्स मोती ऊर रहमानए निरीक्षक आशीष शर्माए सब.इंस्पेक्टर मोहनलाल मरावीए एएसआई राजेश धुर्वे को वीरता पदक के लिए चयनित किया गया।
- 14 दिसंबर 2023 को कमकोदादर जंगल में 14 लाख इनामी नक्सली को हॉकफोर्स ने मार गिराया। उक्त मुठभेड़ में शामिल हाकफोर्स के सब इंस्पेक्टर नामदेव शर्माए एएसआई अरुण कुमार मिश्राए एएसआई अतुल कुमार शुक्ला को वीरता पदक के लिए चयनित किया गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022